



# स्वतंत्र भारत

कानपुर, सोमवार  
23 जून, 2025  
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष 13  
सं. 2082 वि.  
वर्ष 36, अंक - 301 पृष्ठ 12  
संस्करण : महानगर

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

मिडनाइट हैमर : ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर जबर्दस्त एयर स्ट्राइक

## अब जंग में कूदा अमेरिका

वाशिंगटन/तेहरान। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे तनाव में अब अमेरिका भी जंग में शामिल हो गया है। उसने अपने इस अभियान को मिडनाइट हैमर नाम दिया है। अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इसमें फोर्ड, नताज और इस्फहान

फोर्ड परमाणु केंद्र को भारी नुकसान

अमेरिकी विमानों ने हमले के लिए 37 घंटे बिना रुके भारी उड़ान

ईरान ने इजरायल पर दार्जी मिसाइलें

बोला अब हर अमेरिकी निशाने पर

शामिल हैं। इन हमलों को पूरी तरह सफल बताया गया है। फोर्ड परमाणु केंद्र को हुआ भारी नुकसान, सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला रविवार तड़के किए गए अमेरिका के हमले में ईरान के फोर्ड परमाणु केंद्र को भारी नुकसान हुआ है। सैटेलाइट तस्वीरों से इसका खुलासा हुआ है।

ईरान का फोर्ड परमाणु केंद्र भूमिगत था और एक पहाड़ के कई मीटर नीचे थे। अमेरिका ने अपने बी-2 स्टील्थ बॉम्बर से यहां हमला किया। यह हमला बंकर बस्टर बमों से किया गया, जिससे परमाणु केंद्र को भारी नुकसान होने की आशंका जताई गई। अब सैटेलाइट तस्वीरों से भी इसकी पुष्टि हो गई है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि फोर्ड परमाणु केंद्र जिस पहाड़ में मौजूद था, उसे भी अमेरिकी हमले में नुकसान हुआ। हमले में परमाणु केंद्र के पूरे पॉइंट तबाह हो गए हैं, जिससे ईरान को परमाणु केंद्र तक पहुंचने और नुकसान का आकलन करने के लिए ही काफी मुश्किल होगी। अमेरिकी ने फोर्ड परमाणु केंद्र पर 30,000 पाउंड वजन की छह बंकर बस्टर बमों से हमला बोला।



अमेरिकी बी-2 स्प्रिटर बमवर्षक विमानों ने मिसौरी से लगभग 37 घंटे तक बिना रुके उड़ान भरी और रविवार की सुबह ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया। हमले से पहले स्टील्थ बमवर्षक विमानों में बीच हवा में ईंधन भरा गया। इसके बाद ये विमान तीन प्रमुख ईरानी परमाणु ठिकानों फोर्ड, नताज और इस्फहान पर कहर बनकर टूटे। हमले के बाद ट्रंप ने कहा कि फोर्ड खत्म हो गया है। उन्होंने भारी किलेबंद भूमिगत सुविधा का जिक्र किया, जिसे लंबे समय से तेहरान का सबसे सुरक्षित परमाणु स्थल माना जाता है। बंकर-बस्टर बमों और टॉमहॉक मिसाइलों के संयोजन से किए गए हमले वर्षों में ईरान के खिलाफ यह सबसे प्रत्यक्ष अमेरिकी सैन्य कार्रवाई थी। ट्रंप ने कहा कि फोर्ड पर छह

### गंभीर नतीजे होंगे : ईरान

ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने रविवार को अमेरिका द्वारा ईरान की परमाणु सुविधाओं पर किए गए हमलों की तीखी आलोचना की, और गंभीर परिणामों की चेतावनी दी। अराघची ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का स्पष्ट उल्लंघन बताया। एक्स पर अपने बयान में, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य अमेरिका पर शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर अपराधिक कृत्य करने का आरोप लगाया।

बंकर-बस्टर बम गिराए गए और लगभग 30 टॉनहॉक मिसाइलों ने अन्य परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। पेंटागन ने भी पुष्टि की है कि हमले में बी-2 बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल किया गया था, जो इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और एक सप्ताह तक जारी संघर्ष के बाद हुआ है। इस बीच, ईरान के सरकारी टीवी ने दावा किया है कि हमले से कुछ

हमलों की पुष्टि की। सालेही ने बताया कि कई निवासियों ने इस्फहान और नताज के परमाणु केंद्रों के पास हमले देखे, और इन क्षेत्रों में कई विस्फोट सुने गए। ईरान के सरकारी टीवी ने आगे दावा किया कि इस्लामिक रिपब्लिक ने कुछ समय पहले ही तीनों परमाणु स्थलों को खाली करा लिया था। सरकारी टीवी के अनुसार, ट्रंप के बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। ऐसे में नुकसान की सीमा का आकलन करना आवश्यक है। इस्लामिक रिपब्लिक के परमाणु उद्योग को बमबारी से पूरी तरह नष्ट नहीं किया जा सकता। अमेरिकी हमले के बाद, ईरानी सरकारी टीवी प्रस्तुतकर्ताओं ने भी संभावित परिणामों की चेतावनी दी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमले को सफल बताया है। अमेरिका का यह हमला इजरायल के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

## मोदी ने बढ़ते तनाव पर जताई चिंता

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, नई दिल्ली। ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच अमेरिका की तरफ से ईरान पर हमला किया गया। वहीं आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से टेलीफोन पर बातचीत की है। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशियाई क्षेत्र में बढ़ते तनाव और हालिया घटनाक्रमों पर गंभीर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी एक्स पर एक पोस्ट में साझा की है। पीएम मोदी ने लिखा- हमने वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। हालिया तनावों पर गहरी चिंता व्यक्त की। तुरंत तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति को आगे बढ़ाने का आह्वान दोहराया, ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता शांश बहाल हो सके।

ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन से की बातचीत



बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और आपसी सहयोग को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संकट का समाधान है। हमने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की और बढ़ते तनाव को लेकर अपनी गहरी चिंता भी जताई है। मैंने तनाव को कम करने के

लिए बातचीत और कूटनीतिक को प्राथमिकता देने की अपील की है और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जरूरत पर जोर दिया है। पीएम मोदी और मसूद पेजेशकियन के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें क्षेत्र में शांति की बहाली पर टिकी हैं।

## सऊदी अरब, चीन व ब्रिटेन सहित कई देशों ने की कड़ी निंदा

रियाद। सऊदी अरब ने भी अमेरिका की तरफ से ईरान के परमाणु ठिकानों पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि सऊदी अरब को ईरान में हो रही घटनाओं को लेकर गहरी चिंता है, खासकर अमेरिकी हमलों द्वारा ईरानी परमाणु स्थलों को निशाना बनाए जाने पर। सऊदी अरब ने अपने 13 जून 2025 के बयान की याद दिलाते हुए दोहराया कि वह ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन किए जाने की निंदा करता है। बयान में कहा गया कि राज्य सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव कम करने और हालात को और बिगड़ने से रोकने की अपील करता है। कतर और ओमान ने ईरान पर अमेरिकी हमले की निंदा की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों ने तनाव कम करने के लिए कहा है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ ओन ने कहा कि अमेरिकी बमबारी से क्षेत्रीय संघर्ष पैदा हो सकता है। जिसे कोई भी देश बर्दाश्त नहीं कर सकता और उन्होंने बातचीत का आह्वान किया। ब्रिटिश



प्रधानमंत्री क्री स्टार्मर ने ईरान से संकट को कूटनीतिक रूप से समाप्त करने के लिए वार्ता करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अस्थिर क्षेत्र में स्थिरता प्राथमिकता है। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने कहा कि स्थिति को यथाशीघ्र शांत करने की जरूरत है। ईरान के परमाणु हथियारों के विकास को भी रोकना चाहिए। चीन की सरकारी मीडिया ने कहा कि अमेरिकी हमले एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा हैं। इसलिए जरूरी है कि बातचीत को प्राथमिकता देते हुए संतुलित, कूटनीतिक दृष्टिकोण अपनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंTONियो गुतेर्रेस ने कहा है कि वह ईरान में परमाणु केंद्रों पर अमेरिका के बम हमलों से बेहद चिंतित हैं।

## देशभर में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ को छोड़कर पूरे देश में पहुंच गया है। मानसून के प्रभाव से पूरे देश में झामझाम बारिश हो रही है, पूर्वोत्तर के साथ ही दक्षिण भारत के राज्यों में सबसे ज्यादा हलाल खबर है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा जयपुर, आगरा, यमुपुर, देहरादून, शिमला और मनाली से होकर गुजर रही है। अगले दो दिनों के दौरान उत्तरी अरब सागर में शेष हिस्सों, गुजरात के कुछ हिस्सों, पश्चिम उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों, जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों, उत्तरखण्ड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कुछ हिस्सों में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं।

## बम की धमकी : रियाद डायवर्ट हुआ एयर इंडिया का विमान



रियाद। एअर इंडिया की बर्मिंघम (ब्रिटेन) दिल्ली आ रही एक उड़ान को शनिवार को बम की धमकी दिल्ली आ रही थी पलाइंट मिलने के बाद सऊदी अरब के रियाद शहर में डायवर्ट करना पड़ा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने रविवार को इस घटना

की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और सुरक्षा जांच पूरी कर ली गई है। एअर इंडिया ने अपने बयान में बताया कि विमान को सुरक्षित रियाद एयरपोर्ट पर उतारा गया और पूरी सुरक्षा जांच की गई। जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित उतारकर होटल में

### मिडिल ईस्ट में एयरस्पेस बंद, चेन्नई लौटी पलाइंट

चेन्नई। इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग में अब अमेरिका की भी एंटी होने के बाद मिडिल ईस्ट में एअरस्पेस बंद कर दिया गया है। इसकी वजह से लंदन जाने वाली ब्रिटिश एअरवेज की एक फ्लाइट को रविवार (22 जून, 2025) सुबह चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपातकालीन वापसी करनी पड़ी। फ्लाइट नंबर बीए276 चेन्नई से सुबह 6 बजकर 24 मिनट पर रवाना हुई, जो अपने निर्धारित समय सुबह 5 बजकर 35 मिनट से लगभग एक घंटा लेट थी। इस फ्लाइट में 247 यात्री और 15 कर्मु बंकर सवार थे। जब ये विमान बंगलुरु क्रॉस करके अरब सागर के ऊपर था तो पायलट को तत्काल सूचना मिली कि मिडिल ईस्ट में एअरस्पेस के मुख्य हिस्से को बंद कर दिया गया है और इस वजह से लंदन जाने वाला रास्ता अवरुद्ध हो गया है। ईरानी ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद मिडिल ईस्ट के अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर नागरिक उड़ानों को रोक दिया। इसका अलर्ट मिलने के बाद विमान सुबह करीब 10 बजे चेन्नई इंटरनेशनल एअरपोर्ट पर सुरक्षित उतरा और यात्रियों को उतारा गया।

दहराया गया। यात्रियों को उनके गंतव्यों तक पहुंचाने के लिए

वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की गई है।

## 19 रुटों पर उड़ानों को कम करने का फैसला

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की एयरलाइन 19 रुटों पर चलने वाली 118 साप्ताहिक उड़ानों को कम करेगी। ये उड़ानें छोटे आकार के विमानों (नैरो-बॉडी एयरक्राफ्ट) से भरी जाती हैं। इसके साथ ही, तीन रुटों पर विमान सेवा को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया जाएगा। एयर इंडिया ने इससे पहले बड़े आकार के विमानों की 15 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें कम करने का फैसला किया था। ये सारे बदलाव कुछ समय के लिए ही किए जा रहे हैं। एयरलाइन का कहना है कि ये कदम पूरे नेटवर्क में आंतरराष्ट्रीय को स्थिर रखने के लिए उठाया जा रहा है। इससे यात्रियों को आंतरराष्ट्रीय समय पर होने वाली परेशानियों से बचाया जा सकेगा। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा कि वह अपने छोटे आकार के विमानों के नेटवर्क में कटौती कर रही है।

## भारत ने रूस से बढ़ाया कच्चे तेल का आयात

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, नई दिल्ली। ईरान इजरायल युद्ध में अमेरिका की एंटी के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका है। इसका सीधा असर तेल की कीमतों पर पड़ेगा। इसे ध्यान में रखते हुए भारत ने पहले ही खास रणनीति के तहत रूस और अमेरिका से कच्चे तेल का आयात बढ़ा दिया है। भारत ने जून महीने में रूस से इतना तेल खरीदा है, जो पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों से खरीदे गए कुल कच्चे तेल से भी ज्यादा है। वैश्विक व्यापार विश्लेषक फर्म कैपलर के आंकड़ों के मुताबिक भारत ने जून महीने में रूस से 20-22 लाख बैरल प्रति दिन के हिसाब से कच्चे तेल की खरीद की है। यह बीते दो साल में सबसे ज्यादा है। मई माह में भारत ने रूस से तकरीबन 11 लाख बैरल प्रति दिन के हिसाब से कच्चा तेल खरीदा था। भारत पहले रूस से अपनी जरूरत का पहाह एक प्रतिशत तेल ही आयात करता था, लेकिन अब इसमें भारी बढ़ोतरी हुई है और अब भारत अपने कुल तेल आयात का 40-44 प्रतिशत तेल रूस से मंगाता है।

## आतंकियों को पनाह देने में दो लोग गिरफ्तार

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगांम में हमला करने वाले आतंकियों को पनाह देने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जम्मू-कश्मीर के अंततनाग के पहलगांम में आतंकियों ने 22 अप्रैल को भयानक हमले को अंजाम दिया था, हमले में 26 निदोष पर्यटक मारे गए थे जबकि 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एनआईए के अनुसार, पहलगांम के बटकोट के परवज अहमद जोधर और पहलगांम के हिल पार्क के बशीर अहमद जोधर ने हमले में शामिल तीन सशस्त्र आतंकवादियों की पहचान का खुलासा किया है और यह भी पुष्टि की है कि वे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े पाकिस्तानी



नागरिक थे। एनआईए की जांच के अनुसार, परवज और बशीर ने हमले से पहले हिल पार्क में मौसमी डोक (झोपड़ी) में तीन हथियारबंद आतंकवादियों को जानबूझकर शरण दी थी। दोनों लोगों ने आतंकवादियों को भोजन, आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी, जिन्होंने उस दुर्भाग्यपूर्ण दोषधर को धर्म की पहचान के आधार पर पर्यटकों को चुन-चुन कर मार डाला था।

# ‘ऐसी वैसी बातों से तो अच्छा है खामोश रहो’

नवकांत ठाकुर

किसी भी मामले में दो विकल्प हमेशा मौजूद रहते हैं। बोलना, या फिर खामोश रहना। काल, स्थान और परिस्थिति के मुताबिक इन दोनों में से किसी एक का कितना चतुराई से चयन किया जाता है, वही समझदारी और परिपक्वता की निशानी होती है। हालांकि कब, कहाँ और किस हद तक बोलना या खामोश रहना चाहिए इसका कोई तय सिद्धांत, पैमाना या मापदंड तो नहीं है, लेकिन अपनी लेखनी से लोगों को सही राह दिखाने और बताने वाले कवियों, शायरों और विद्वानों ने हर कालखंड में मुख्य रूप से यही बताया है जिसे डॉ. नवाज देवबंदी साहब के शब्दों में कहें तो- ‘ऐसी वैसी बातों से तो अच्छा है खामोश रहो, या फिर ऐसी बात कहो जो खामोशी से अच्छी हो।’

इसी बात को अपने अंदाज में समझाते हुए संत कबीर ने भी कहा था कि- ‘बोली एक अनमोल है जो कोई बोले जानि, हिए तराजू तौल के तब मुख बाहर आनि।’ वैसे भी बातों में असर और वजन तभी आता है जब खामोश रहने के लिए भाव-भंगिमा का और बोलने के लिए शब्दों का चयन सटीक, संतुलित और लक्ष्य केंद्रित हो। यूं तो इसका ध्यान हर किसी को रखना चाहिए लेकिन खास तौर से उनको तो इसकी जरूरत भी अनदेखी या अहंतेलना नहीं करनी चाहिए जिनकी जुबान से निकले हर शब्द का व्यापक-विस्तृत विश्लेषण होता हो और मौन के भी मायने निकाले जाते हों। तभी तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से मुलाकात के दौरान जब देश के एक नामचीन मीडिया हाउस के मालिक ने

अनौपचारिक बातचीत में श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देने वाली उनकी भाषण शैली की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनसे बोलने की कला सीखना चाहते हैं, तो अटल जी ने अपनी चिर-परिचित मुस्कान के साथ चुटुले अंदाज में कहा कि ‘अगर आप मुझसे कुछ सीखना चाहते हैं तो पहले यह सीखिए कि कहां चुप रहा जाए।’ वाकई, जिनकी जुबान से निकली बातें बहुत दूर तक सुनी-सुनाई जाती हों ऐसी शख्सियतों को इसका ध्यान होना ही चाहिए कि वह जो भी बोलें उसमें स्थायित्व हो, तारतम्यता हो और वजन हो। यह नहीं कि किसी भी मसाले पर बिना इस बात की परवाह किए कुछ भी बोल जाए कि इसका असर क्या होगा और इससे उनकी छवि पर क्या प्रभाव

पड़ेगा। यह विचारणीय प्रश्न तब सामने आया है जब शिक्षा की भाषा को लेकर चल रहे विवाद के बीच भारतीय भाषाओं की श्रेष्ठता, उत्कृष्टता और आवश्यकता पर जोर देते हुए एक पुस्तक विमोचन के कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह ने कह दिया कि ‘देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है।’ उपनिवेशवादी सोच और गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहे भारतीय समाज के भावी भाषाई स्वरूप की शाह द्वारा प्रस्तुत परिकल्पना की गहराई और सियासी मारकता को समझा जाए तो उनकी इस बात से निश्चित तौर पर देश के तकरीबन 90 फीसदी ऐसे लोगों को गर्व की अनुभूति होगी जिन्होंने 2011 की जनगणना में अपनी मातृभाषा के साथ ही बोलचाल और समझ आने

वाली भाषाओं में अंग्रेजी का नाम नहीं लिखवाया था। लेकिन, हर मुद्दे पर सरकार का विरोध ही करने की नीति के तहत लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस मामले में भी ना सिर्फ सत्तारूढ़ भाजपा बल्कि आरएसएस को भी लपेटते हुए यहां तक कह दिया कि भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि भारत का गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे और आगे बढ़े। सवाल यह नहीं है कि बिना अंग्रेजी सीखे अगर रूस, चीन, जापान, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी और दक्षिण कोरिया सरीखे देशों के बच्चे ‘आगे बढ़ने’ के हर मापदंड पर सफल दिख सकते हैं तो भारतीय बच्चों को आगे बढ़ने के लिए अंग्रेजी का आश्रय लेना क्यों अनिवार्य बताया जा रहा है। असली सवाल तो यह है कि भारत और भारतीयता के हित, गौरव और स्वाभिमान से जुड़े मुद्दों पर

अनाप-शानप बोलने के बजाय खामोश रहने का विकल्प क्यों नहीं अपनाया जाता। क्यों राहुल अक्सर बिना सिर-पैर की ऐसी बातें बोलते रहते हैं जिसके लिए कभी सुप्रीम कोर्ट में मार्फत मांगनी पड़ती है, कभी इलाहाबाद उच्च न्यायालय की फटकार सुनी पड़ती है और कभी सूत की कचहरी उन्हें सजा सुनाती है और कभी एमपी-एमएलए कोर्ट में उन्हें नीचा देखा पड़ता है। बहरहाल, फर्क़ख़ाबद के शायर आलोक यादव की कलम से निकले इस कलाम पर राहुल को गौर करना चाहिए कि - ‘मौन के ये आवरण तुझको बचा ले जाएंगे, वरना बातों के कई मतलब निकाले जाएंगे, राजनीतिक व्याकरण तुम सीख लो पहले जरा, वरना फिर अखबार में फकिरे उछाले जाएंगे।’ जैसी नजर, वैसा नज़रिया।











## क्या म्यूजिक थेरेपी कर सकती है डिप्रेशन का इलाज?

है, जो निश्चित रूप से प्रभावी होती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि हमारे आसपास ही एक ऐसा प्राकृतिक माध्यम मौजूद है जो इन चुनौतियों से उबरने में मदद

कर सकता है? हम बात कर रहे हैं म्यूजिक थेरेपी की। यह एक ऐसा अद्भुत विज्ञान है जिसमें संगीत और ध्वनि का उपयोग करके व्यक्ति को मानसिक, भावनात्मक और यहां तक कि शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। म्यूजिक थेरेपी

### ध्वनि और संगीत कैसे हील करते हैं आपका मन

न केवल तनाव को कम करने में सहायक है, बल्कि यह डिप्रेशन के इलाज में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आइए इस लेख में जानते हैं कि कैसे संगीत की यह शक्ति हमें मानसिक शांति और बेहतर जीवन की ओर ले जा सकती है।

**म्यूजिक थेरेपी क्या है?**  
म्यूजिक थेरेपी एक वैज्ञानिक और संरचित प्रक्रिया है, जिसमें प्रशिक्षित थेरेपिस्ट संगीत, ध्वनि, और लय का उपयोग करके व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को सुधारते हैं। इसमें गाने सुनना, गाना गाना, वाद्य यंत्र बजाना, या संगीत रचना शामिल हो सकती है। यह थेरेपी मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करती है, जो भावनाओं, स्मृति, और तनाव प्रबंधन से जुड़े होते हैं।

चहचहाहट) मन को शांत करती हैं। वहीं, उत्साहपूर्ण संगीत ऊर्जा और प्रेरणा बढ़ाता है।

**म्यूजिक थेरेपी के लाभ**  
म्यूजिक थेरेपी मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए कई लाभ प्रदान करती है। यह भावनाओं को व्यक्त करने का एक शक्तिशाली माध्यम है, जिससे दबी हुई भावनाएं बाहर आती हैं और मन हल्का होता है। शोध बताते हैं कि 20-30 मिनट का म्यूजिक थेरेपी सत्र तनाव और चिंता को 50% तक कम कर सकता है। डिप्रेशन में नींद की कमी को दूर करने के लिए शांत संगीत सुनने से गहरी नींद आती है। इसके अलावा, वाद्य यंत्र बजाना या गाना गाने से आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में सकारात्मकता व प्रेरणा का संचार होता है।

संगीत का चयन करते हैं। घर पर भी आप शास्त्रीय संगीत, ध्यान संगीत, या अपने पसंदीदा गाने सुन सकते हैं। रोजाना 15-30 मिनट शांत जगह पर संगीत सुनें, गहरी सांस लें, और भावनाओं को महसूस करें। बांसुरी, सितार, या पियानो की धुनें विशेष रूप से प. भावी होती हैं।

**कैसे शुरू करें?**  
म्यूजिक थेरेपी शुरू करने के लिए आपको किसी प्रशिक्षित म्यूजिक थेरेपिस्ट की मदद लेनी चाहिए। वे आपकी मानसिक स्थिति के अनुसार



आज की भागदौड़ और अत्यधिक दबाव वाली

जिंदगी में, जहां हर कोई अपने काम और चुनौतियों में उलझा है, डिप्रेशन और तनाव जैसी मानसिक

स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इनसे निपटने के लिए अक्सर लोग दवाइयों और पेरेथेरेपी का सहारा लेते

## गर्मियों में ऐसे दूर भगाएं थकान और दर्द

गर्मी का मौसम में अक्सर तेज धूप और अधिक तापमान की वजह से डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं होती हैं। इसके साथ ही, बहुत से लोग दोपहर की थकान और सिरदर्द जैसी समस्या से भी जूझते हैं। यह दर्द न केवल आपको असहज करता है, बल्कि प्रोडक्टिविटी और रोजगार की जिंदगी पर भी नकारात्मक असर डालता है। दरअसल, गर्मी के दिनों में सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं, लेकिन उनमें से एक मुख्य कारण गर्मी का प्रभाव और उसमें होने वाली लापरवाही है। अक्सर लोग जब दोपहर सिर में भारीपन महसूस होता है, तो तुरंत दवा लेना एक आसान विकल्प समझते हैं। लेकिन, क्या हर बार दवा खाना ही एकमात्र समाधान है? अच्छी बात यह है कि ऐसा नहीं है। भले ही दवाएं तात्कालिक राहत देती हैं, लेकिन वे अक्सर अपने साथ कुछ साइड इफेक्ट्स भी लाती हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक आप इस स्थिति से बचने के लिए कुछ आसान उपाय अपना सकते हैं, जो किफायती होने के साथ बेहद कारगर और सुरक्षित भी हैं। ये उपाय बिना किसी साइड



इफेक्ट के आपके शरीर को अंदर से ठंडा रखने और सिरदर्द से मुक्ति दिलाने में मदद करते हैं। आइए, इस लेख में ऐसे ही कुछ प्राकृतिक तरीकों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

**पर्याप्त पानी और हाइड्रेशन**  
डिहाइड्रेशन गर्मियों में सिरदर्द का सबसे बड़ा कारण है। पानी की कमी से मस्तिष्क को ऑक्सीजन कम मिलती है, जिससे दर्द और थकान होती है। रोजाना 2.5-3 लीटर पानी पिएं। नारियल पानी, नींबू पानी, या छाछ जैसे इलेक्ट्रोलाइट युक्त पेय हाइड्रेशन बनाए रखते हैं। छोटे-छोटे

घंटों में पानी पीने की आदत बनाएं।

**अचानक तापमान बदलाव से बचें**  
गर्मी से सीधे ठंडे कमरे में जाना या ठंडे से गर्म वातावरण में अचानक जाना सिरदर्द का कारण बन सकता है। तापमान का यह अचानक बदलाव संवेदनशील लोगों में माइग्रें को ट्रिगर कर सकता है। इससे बचने के लिए, तापमान को धीरे-धीरे समायोजित करें। बाहर से आने पर कुछ देर सामान्य तापमान में रुकें और शरीर को वातावरण के अनुकूल होने दें। किसी भी अलग तापमान वाले माहौल में जाने से पहले थोड़ा

## क्या रोज चावल खाने से शरीर का फैट बढ़ता है?

चावल भारतीय भोजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसके बिना भारतीय भोजन की कल्पना करना थोड़ा कठिन है। देश के लगभग हर कोने में, यह रोजगार के आहार का एक अभिन्न हिस्सा है, चाहे वो गरमागरम दाल-चावल हो या स्वादिष्ट बिरयानी। हालांकि, पिछले कुछ समय से यह धारणा तेजी से फैली है कि रोज चावल खाने से शरीर का वजन और फैट बढ़ता है, जिसकी वजह से बहुत से लोग चावल को अपनी डाइट से पूरी तरह बाहर कर रहे हैं।

**चावल और पोषण** - चावल कार्बोहाइड्रेट का प्रमुख स्रोत है, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। 100 ग्राम सफेद चावल में 130 कैलोरी, 2.7 ग्राम प्रोटीन, 2.8 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 0.3 ग्राम फैट होती है। देखा जाए तो इसमें फैट की मात्रा बहुत कम है। वहीं ब्राउन राइस में फाइबर, मैग्नीशियम, और विटामिन बी अधिक होते हैं, जिससे यह सफेद चावल की तुलना में स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है।

**क्या चावल फैट बढ़ाता है?** - विशेषज्ञों के अनुसार, चावल अपने आप में फैट नहीं बढ़ाता। वजन बढ़ने का कारण कुल कैलोरी की मात्रा और जीवनशैली पर निर्भर करता है। अगर आप अपनी दैनिक कैलोरी जरूरत से ज्यादा खाते हैं, चाहे वह चावल हो या कोई अन्य भोजन, तो अतिरिक्त कैलोरी फैट के रूप में जमा हो सकती है। चावल को तेल, घी, या भारी ग्रेवी के साथ खाने से कैलोरी बढ़ती है, जो वजन बढ़ाने का कारण बन सकता है।

## क्या होगा अगर आप एक महीने तक चाय न पीएं?

चाय आजकल हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गई है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप एक महीने तक चाय पीना छोड़ दें तो आपके शरीर पर क्या असर होगा? आइए, जानते हैं कि चाय को छोड़ने से आपकी सेहत पर क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं।

**नींद में सुधार**  
चाय में कैफीन की अधिक मात्रा होने के कारण यह हमारी नींद में खलल डालती है। विशेष रूप से रात को सोने से पहले चाय पीने से शरीर में कैफीन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे नींद में रुकावट आती है और गहरी नींद मिलना मुश्किल हो जाता है। चाय को छोड़ने से शरीर में कैफीन की मात्रा घटती है, जिससे आपकी नींद में सुधार होता है। जब आप चाय नहीं पीते हैं, तो आपका शरीर ज्यादा रिलैक्स होता है और आप आसानी से सो सकते हैं। इससे नींद की गुणवत्ता में भी सुधार होता है और आपको ताजगी का अहसास होता है। चाय छोड़ने से रात की नींद और दिनभर की ऊर्जा में फर्क साफ महसूस किया जा सकता है।



**पाचन तंत्र में सुधार**  
चाय में मौजूद टैनिन नामक तत्व पाचन क्रिया को प्रभावित करता है और यह कब्ज जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है। जब आप चाय पीते हैं, तो टैनिन पेट में एसिड का स्तर बढ़ा सकता है, जिससे पाचन तंत्र सही से काम नहीं करता। चाय छोड़ने से पाचन में सुधार होता है और आपके शरीर को आसानी से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं से राहत मिलती है, जिससे आपको बेहतर पाचन और स्वस्थ आंतरिक तंत्र मिलता है। साथ ही, चाय को छोड़ने से आप अधिक हल्के और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

**अधिक ऊर्जा महसूस करना**  
चाय में मौजूद कैफीन से तात्कालिक ऊर्जा मिलती है, लेकिन यह शरीर के लिए आदत बन जाती है और समय के साथ आपकी ऊर्जा का स्तर गिर सकता है। जब आप चाय छोड़ते हैं, तो आपका शरीर प्राकृतिक रूप से ऊर्जा उत्पन्न करता है, और आपको अधिक ताजगी और जोश महसूस होता है।

## ये एक आदत 35% तक बढ़ा सकती है आंतों में सूजन का खतरा

खानपान की गड़बड़ी को सेहत के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक माना जाता है। डॉक्टर कहते हैं, यदि हम सभी कम उम्र से ही आहार में सुधार पर ध्यान दें तो कोई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से बचे रह सकते हैं। जिन चीजों को स्वास्थ्य के लिए सबसे हानिकारक माना जाता है, फास्ट फूड्स खाना उनमें से एक है। सड़क किनारे या मार्केट में लगे स्टॉल व दुकानों पर बन रहे फास्ट फूड का स्वाद यदि आप भी अक्सर लेते रहते हैं तो सावधान हो जाएं। फास्ट फूड आपके पाचन तंत्र के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो रहे हैं। पेट दर्द (डायरिया) से लेकर आंतों से सूजन जैसे बढ़ती कई समस्याओं के लिए इसे प्रमुख कारण के रूप में देखा जा रहा है।



पर अधिक वसा, नमक और चीनी होती है, जो पाचन तंत्र को परेशान कर सकती है और पेट दर्द, सूजन, गैस और अपच जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। आंतों से जुड़ी सूजन संबंधी बीमारियां—कई अध्ययन भी बताते हैं कि फास्ट फूड्स से आंतों का काफी नुकसान हो रहा है। बीमार्ज जर्नल में छपी रिपोर्ट के अनुसार, जो लोग हफ्ते में 3 बार से ज्यादा प्रोसेस्ड या फास्ट फूड खाते हैं, उनमें आंतों से जुड़ी सूजन संबंधी बीमारियों का खतरा 35% तक बढ़ जाता है। फास्ट फूड्स में मौजूद हाई फेट, शुगर और एडिक्टिव (जैसे फ्रिजवॉटिक्स और इम्लिस्फायर्स) गट बैक्टीरिया को असंतुलित करते हैं, जिससे गट माइक्रोबायोटम गड़बड़ाता है और सूजन बढ़ती है। आंतों की सूजन शरीर की क्रांिक इनफ्लेमेशन को जन्म देती है, जिससे डायबिटीज, मोटापा और यहां तक कि डिप्रेशन तक हो सकता है।

**आहार को लेकर बतें सावधानी**  
साल 2024 में इंडियन कार्डियल ऑफ मोडर्नल रिसर्च (आईसीएमआर) की रिपोर्ट में बताया गया कि 20वें युवा आंतों से जुड़ी बीमारियों से जुड़ रहे हैं, जिसमें खानपान सबसे बड़ा कारण है। इस तरह की समस्या से बचे रहने के लिए सबसे जरूरी है कि आप घर का बना ताजा खाना खाएं जिसमें फाइबर की अधिकता हो। इसके अलावा आहार में प्रोबायोटिक वाली चीजें जैसे दही, छाछ, भी होनी चाहिए। आंतों और पेट की समस्याओं को कम करने के लिए ज्यादा नमक-चीनी और डीप फ्राइड चीजें कम से कम खाएं।

## क्या लगातार खांसी आते रहना भी हृदय रोगों का संकेत है?



हृदय स्वास्थ्य की समस्याएं दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही हैं, बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसका शिकार हो रहे हैं। ये मृत्यु का प्रमुख

लक्षणों और जोखिम कारकों पर ध्यान देते रहना, डॉक्टर से नियमित सलाह लेना जरूरी है, ये आपको हृदय से संबंधित समस्याओं से बचाए रखने में मददगार हो सकता है। क्या लगातार खांसी आते रहना भी हार्ट की समस्याओं का संकेत है? अगर ये सवाल आपके मन में भी है तो आइए इसका जवाब ढूँढने की कोशिश करते हैं।

**क्या आप भी लगातार खांसी से परेशान हैं?**  
कारण भी है जिसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को सावधान करते रहे हैं। डॉक्टरों के कहने हैं, कम उम्र से ही अगर लाइफस्टाइल और खानपान को ठीक रख लिया जाए तो हृदय से संबंधित समस्याओं के जोखिमों को कम किया जा सकता है। हृदय रोग के

हेती हो या कफ के साथ खून आता हो तो आपको और भी सावधान हो लेना चाहिए। ये कंजैस्टिव हार्ट फेलियर या किसी अन्य गंभीर समस्या का भी संकेत हो सकता है। हृदय की समस्याओं से जुड़े अन्य लक्षण दिखाई दें, तो इसे नजरअंदाज करना खतरों से खाली नहीं है। हो हफ्ते से अधिक समय से आपको ये दिक्रत नहीं हुई है तो डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

**हर खांसी हृदय रोग का कारण ही नहीं**  
डॉक्टर कहते हैं, हर बार लगातार खांसी होते रहना जरूरी नहीं है कि हृदय की समस्या से ही संबंधित है, ऐसी दिक्रतें टीबी में भी देखी जाती हैं। लेकिन अगर खांसी के साथ दिल से जुड़े अन्य लक्षण दिखाई दें, तो इसे नजरअंदाज करना खतरों से खाली नहीं है। हो हफ्ते से अधिक समय से आपको ये दिक्रत नहीं हुई है तो डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

से जुड़ी खांसी के कुछ खास संकेत होते हैं, ये रात में या लेटते वक बढ़ जाता है। खांसी के साथ सांस फूलना, खांसी के बाद में थकावट महसूस होना, खांसी के साथ छाती में दबाव या हल्का दर्द महसूस होते रहना हृदय से संबंधित समस्याओं का संकेत हो सकता है। ऐसी दिक्रतों में तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

### कब हो जाना चाहिए सावधान

सावधान होना और दिल में किसी बीमारी के विकसित होने के कारण भी कई लोगों में क्रांिक खांसी आने की समस्या देखी जाती रही है। इन संकेतों पर भी दौड़िए ध्यान वहीं ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि यदि खांसी रात में बड़े, लेटने पर ज्यादा

**दैनिक पंचांग लखनऊ सोमवार, 23 जून 2025**  
श्री शुभ संवत् 2082 शके 1947 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतु आषाढ मासोत्तम वृष पक्ष, त्रयोदशी तिथी सोम वासरे 22/20/ कृत्तिका नक्षत्रे 15/17/ धृति योग 13/17/ गर करणे 11/46/ वृष राशिगत चन्द्रमा घं.मि.प।

**व्रत एवं त्यौहार**- भद्रा प्रारंभ घं.22 मि.10 से सोम प्रदोष व्रत। मास शिवरात्रि रहेगी।

**मेष**: पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति बखूबी करेंगे। शेषर्ष सट्टा में अर्थ लाभ होगा। वाहन मकान का सुख मिलेगा। मित्रों सहयोग प्राप्त होगा।

**वृष**: वाद विवाद पर विजय प्राप्त होगी। कार्य व्यापार में सामान्य प्रगति होगी। नियमित दिनचर्या रहेगी। राजनेता का सहयोग प्राप्त होगा।

**मिथुन**: प्रगति के नए अवसर मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में विशेष रुचि रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के पानी से हर्ष होगा।

**कर्क**: नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। कार्य क्षेत्र का विस्तार होगा। परिवार में तनाव रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

**सिंह**: साझेदारी के व्यापार में हानि होगी। सत्यप्रार्थ से लाभ होगा। अभाव गस्तता दूर होगी। व्यक्तित्व विकास होगा।

**कन्या**: शारीरिक अरोग्यता रहेगी। किसी की वृद्धि होगी। सतान चिंता रहेगी। शत्रु पक्ष की प्रबलता रहेगी।

**तुला**: समारोह तथा गोष्ठियों में जाने का अवसर प्राप्त होगा। सत्तापक्ष से अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा। ऋण लेने की स्थिति बनेगी।

**वृश्चिक**: राजकीय सम्मान लेने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। वाद-विवाद से दूर रहे। राज्य अधिकारी वर्ग से हानि होगी। यात्रा का योग है।

**धनु**: किसी सूचना से प्रसन्नता व भाग्य को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक व्यय की पूर्ति के लिए सट्टा लॉटरी जैसे प्रयास उपयोगी होंगे।

**मकर**: किसी मित्र के आगमन की सूचना से मन प्रसन्न होगा। व्यवसाय की स्थिति सामान्य रहेगी। भाग्य से वन बढ़ेगा।

**कुंभ**: आर्थिक लेनदेन निपट सकेगा। विरोधी की ओर से परेशानी होगी। भाग्य से धन बढ़ेगा। मन में आशंका रहेगी।

**मीन**: आर्थिक मामलों में सल्लम की वृद्धि होगी। सतान चिंता रहेगी। शत्रु पक्ष की प्रबलता रहेगी।









## ट्रंप की खुली चेतावनी अभी भी कई टारगेट बचे हैं

वॉशिंगटन। ईरान के तीन न्यूक्लियर ठिकानों पर बमबारी करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान के पास शांति या त्रासदी के बीच एक का विकल्प बचा है। अमेरिका ने शनिवार को बी-2 बॉम्बर्स के जरिए ईरान के तीन परमाणु ठिकानों- फोर्दो, इस्फहान और नाताज पर एयर स्ट्राइक की। हमलों के बाद देश को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान को याद रखना चाहिए कि अब भी कई टारगेट बचे हुए हैं।



ट्रंप ने कहा, यह (परमाणु कार्यक्रम) जारी नहीं रह सकता। ईरान के लिए या तो शांति होगी या फिर त्रासदी होगी, जो पिछले आठ दिनों में हमने देखा है उससे कहीं ज्यादा। याद रखें, अभी कई लक्ष्य बचे हैं। आज रात का लक्ष्य अब तक का सबसे मुश्किल था, और शायद सबसे घातक भी। लेकिन अगर शांति जल्दी नहीं आती है, तो हम सटीक, गति और कौशल के साथ उन अन्य लक्ष्यों पर हमला करेंगे। उनमें से ज्यादातर को कुछ ही

मिनटों में नष्ट किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, मैं उन महान अमेरिकी देशभक्तों को बधाई देना चाहता हूँ, जिन्होंने आज रात उन शानदार ठिकानों को उड़वाया। उम्मीद है कि हमें अब उनकी सेवाओं और इस क्षमता की जरूरत नहीं होगी। मुझे उम्मीद है कि ऐसा ही होगा। ट्रंप ने आगे कहा, मिडिल ईस्ट के धमकाने वाले ईरान को अब शांति स्थापित करनी चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो भविष्य में हमले कहीं अधिक बड़े और आसान होंगे। 40 वर्षों से, ईरान इजरायल को मौत, अमेरिका को मौत कहता आ रहा है। वे हमारे लोगों को मार रहे हैं, उनके हाथ उड़ा रहे हैं, सड़क किनारे बमों से उनके पैर उड़ा रहे हैं। उनके जनरल कासिम सुलेमानी ने बहुत से लोगों को मार डाला। मैंने बहुत पहले ही स्पष्ट कर लिया था कि मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। यह जारी नहीं रहेगा।

## नई रणनीति : यूक्रेन तैयार कर रहा इंटरसेप्टर ड्रोन

मॉस्को। रूस यूक्रेन के बीच जारी जंग खत्म होनी नहीं दिख रही है। हालांकि दोनों शांति समझौते के लिए दोनों पक्षों से बातें जारी हैं।

### जेलेंस्की का दावा, रूसी हमलों का ऐसे करेंगे मुकाबला

इस बीच, सामने आया है कि यूक्रेन अपने शहरों पर हो रहे रूसी ड्रोन हमलों को नाकाम करने के लिए इंटरसेप्टर ड्रोन के तेजी से विकास पर काम कर रहा है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर ने इसका खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी अधिकारियों ने हाल के दिनों में रूसी हमलों में ईरानी डिजाइन वाले शाहेड ड्रोनों की संख्या में तेजी से वृद्धि देखी है। जेलेंस्की ने वीडियो संबोधन में कहा, हम इंटरसेप्टर ड्रोन पर भी अलग से काम कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य शाहेड ड्रोन के खिलाफ सुरक्षा बढ़ाना है। हमारे कई घरेलू उद्योग कई प्रकार के ड्रोन बना रहे हैं। इंटरसेप्टर ड्रोन के उत्पादन में भी तेजी आई है। उन्होंने कहा कि शत्रु ज्यादा से ज्यादा शाहेड ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे में हम अलग तकनीक की तलाश कर रहे हैं। इससे पहले वायु सेना के प्रवक्ता यूरी इहनात ने इस हफ्ते यूक्रेनी मीडिया को बताया था कि ड्रोन वायु रक्षा हमें अपने साधनों का तर्कसंगत तरीके से उपयोग करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा, हम दुश्मन के ड्रोनों का पीछा करने के लिए लगातार दुर्लभ वायु और विमान भेदी निर्दिष्ट मिसाइलों और विमान का उपयोग नहीं कर सकते। बता दें कि रूसी सेना एक ही रात में 400 से अधिक ड्रोन हमले कर रही है। इस हफ्ते कीव पर संयुक्त हमले में 440 ड्रोन व 32 मिसाइलें दागी गईं। इन हमलों में अपार्टमेंट का एक हिस्सा ढह गया था, जिसमें 28 लोग मारे गए थे। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि हालिया अदला-बदली के दौरान रूस ने अपने ही 20 मृत सिपाहियों के शव यूक्रेन को सौंप दिए। जेलेंस्की ने घायल व मृत सैनिकों की अदला-बदली में रूस पर लापरवाही व अव्यवस्था का आरोप लगाया है।

## ‘महाबम’ है जीबीयू 57 एबी/एमओपी

ईरानी परमाणु ठिकानों पर बरसाए गए | अमेरिका छोड़ किसी के पास नहीं



तेहरान। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमला बोल दिया है। इस हमले के लिए अमेरिका ने बी-2 स्टेलथ बॉम्बर और जीबीयू 57 एबी/एमओपी बमों का इस्तेमाल किया। साधारण भाषा में कहें तो यह बम नहीं, बल्कि महाबम है। ट्रंप का दावा है कि उसने ईरान के फोर्दो परमाणु ठिकाने को नुकसान पहुंचाया है। बता दें कि यह परमाणु ठिकाना जमीन के नीचे है और बेहद मजबूत माना जाता है। ऐसे में फोर्दो परमाणु ठिकाने पर साधारण हमले से कोई खास असर भी नहीं होने वाला था। यही वजह थी कि इजरायल चाह रहा था कि अमेरिका अपने इस घातक हथियार का इस्तेमाल करके ईरान को नुकसान पहुंचाए। जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डेनंस पेनेट्रेटर (एमओपी) बेहद खतरनाक है। इसे खासतौर पर जमीन के अंदर बनाए गए ठिकानों पर हमले के लिए तैयार किया गया है। यह मजबूत से मजबूत बंकर और टनल को तबाह करने में सक्षम है। यह मिलिट्री जीपीएस से चलता है कठिन से कठिन लक्ष्य को भी भेदने में कामयाब रहता है। एमओपी लंबाई में 20.5 फीट का होता है और इसका डायामीटर 31.5 इंच का रहता है। अगर वजन की बात करें तो यह 30 हजार पाउंड से कुछ कम के अंदर एमओपी के अंदर 5300 पाउंड विस्फोटक होता है।

बताया जाता है कि यह अपने पहले के हथियार बीएल्यू-109 की तुलना में दस गुना अधिक घातक है। **जमीन के 200 फीट अंदर तक मचाता है तबाही** एमओपी को जो बात सबसे अलग बनाती है, वह है इसकी जमीन के अंदर तबाही मचाने की क्षमता। यह जमीन के 200 फीट के अंदर जाकर धमाका करता है। इसे एक खास किस्म की हाई-परफॉर्मंस वाली स्टील की परतों में सुरक्षित किया जाता है। इससे एमओपी बड़े विस्फोटक पेलोड्स को ले जाने में सक्षम होता है। साथ ही इसकी जमीन के अंदर घुसने की क्षमता भी प्रभावित नहीं होती।

## अमेरिका की एंट्री के बाद ईरान के पास क्या है विकल्प

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, नई दिल्ली। अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक हालात बेहद जलजल गए हैं और आशंका है कि अब ईरान इजरायल के बीच शुरू हुआ संघर्ष पूरे पश्चिम



### अब रूस और चीन के कदमों पर भी टिकी निगाहें

एक को वह चुन सकता है लेकिन यह तय है कि आगे अभी जंग और तेज होगी। पहला रास्ता यह है कि ईरान, अमेरिका के हमले के बाद पश्चिम एशिया में अमेरिकी नागरिकों और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला कर सकता है। ऐसे में पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और अमेरिकी नागरिकों को अलर्ट किया गया है। अमेरिकी शहरों में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और अहम ठिकानों की निगरानी बढ़ा दी गई है। दूसरी स्थिति में इजरायल पर भी हमले तेज हो सकते हैं। अमेरिका के हमले के कुछ देर बाद

ही ईरान ने इजरायल पर मिसाइल हमले किए, जिस पर इजरायल ने भी पलटवार किया। आशंका है कि इजरायल, ईरान की सैन्य ताकत की रीढ़ इस्लामिक रिवालयूनरी गार्ड कॉर्पस पर हमले भी कर सकता है। तीसरे विकल्प के अनुसार ईरान पर हमले के जवाब में उसके कथित प्रॉक्सि संगठन हिज्बुल्ला और हमास भी इजरायल पर हमले शुरू कर सकते हैं। हिज्बुल्ला ने तो ईरान के समर्थन में इजरायल पर हमले का एलान कर ही दिया है। हालांकि इजरायल के हमलों के बाद इनकी ताकत बेहद कम हो गई है, लेकिन ये इजरायल की परेशानी थोड़ी बढ़ा सकते हैं। चौथी स्थिति में पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में भी उछाल आ सकता है। दरअसल ईरान ने धमकी दी थी कि अगर लक्ष्यों में अमेरिका शामिल हुआ तो वे होम्लूज जलदमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की आवाजाही को बाधित कर देंगे। साथ ही ईरान के समर्थन में हूती विद्रोही भी लाल सागर में व्यापारिक जहाजों पर हमले कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो इसका पूरी दुनिया पर असर पड़ेगा। पांचवीं स्थिति यह बनती है कि रूस और चीन ने हाल ही में ईरान और इस्लाम से एक दूसरे पर हमले बंद करने की अपील की थी, लेकिन साथ ही कूटनीतिक तौर पर ईरान का समर्थन किया था। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने तो अमेरिका को चेतावनी भी दी थी और ईरान पर हमले ने करने को कहा था। चीन ने भी अमेरिका पर संघर्ष को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। ऐसे में अब रूस और चीन के अगले कदम पर सभी की निगाहें हैं।

## बेहद खतरनाक है बी2 बॉम्बर जेट

वॉशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला कर दिया है। इस हमले में जीबीयू-57 एमओपी बमों का इस्तेमाल किया गया है। वहीं, इन बमों को ठिकाने तक ले जाने के लिए अमेरिका ने

आकार के बावजूद बी-2 की क्षमता बेमिसाल है। यह 20 टन तक का भार उठा सकता है। इसके चलते यह किसी मिशन के दौरान दो जीबीयू-57 एमओपी को साथ ले जाने की क्षमता रखता है। इतना ही नहीं, यह 80 एमके 82 बम, 16 जेडीएमए या फिर 16 परमाणु बी61/बी83 बमों को लेकर जा सकता है।

बी-2 बॉम्बर जेट लगाए थे। बी-2 बॉम्बर जेट बेहद घातक है। इनकी खासियत यह है कि इन्हें राइडर भी नहीं पकड़ सकता। एक बी-2 बॉम्बर जेट दो जीबीयू-57 बमों को लेकर उड़ान भर सकता है। बी-2 बॉम्बर में दो पायलटों के बैठने की जगह है। यह बहुत नीचे से उड़ान भरता है। इसलिए आमतौर पर यह राइडर की पकड़ से दूर रहता है। इसकी बनावट कुछ ऐसी है मानों यह एक बेहद छोटी सी विंडोया हो। इसकी पन्नाइंग विंग की डिजाइन, राडार एब्जॉर्ब करने वाले मटेरियल्स इसे और भी ज्यादा खास बनाते हैं। बेहद छोटे

बी-2 बिलियन डॉलर है एक बी-2 को बनाने की लागत अमेरिका के एक बी-2 को बनाने में करीब 2.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च होते हैं। इस तरह से सबसे महंगा मिलिट्री एयरक्राफ्ट है। इसे नॉरथ्रॉप ग्रैमैन ने तैयार किया है। एक बार ईंधन भरने के बाद यह बॉम्बर 6 हजार नॉटिकल मील की उड़ान भर सकता है। इस बॉम्बर में हवा में ही ईंधन भरने की क्षमता भी है। इस तरह यह दुनिया में किसी भी ठिकाने को निशाना बना सकता है।

## अमेरिकी एडवायजरी ने पैदा की नई बहस

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों और कामगारों के लिए लेवल 2 की ट्रेवल एडवायजरी जारी कर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। इस चौकाने वाले फैसले में, अमेरिका ने अपने नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को, भारत में किसी भी पर्यटन स्थल या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है। विदेश विभाग ने अपनी एडवायजरी में भारत में बलात्कार, हिंसा और आतंकवाद की घटनाओं में वृद्धि का हवाला दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने अपनी ट्रेवल एडवायजरी को अपडेट करते हुए भारत में अपने नागरिकों को अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस एडवायजरी में अपराध और आतंकवाद को मुख्य कारण बताया गया है, जहाँ कुछ क्षेत्रों में जोखिम को %अधिक%

बताया गया है। एडवायजरी के अनुसार, भारत में हिंसक अपराध और आतंकवाद होते हैं। इसमें विशेष रूप से कहा गया है कि बलात्कार भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यौन उत्पीड़न सहित हिंसक अपराध पर्यटक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी होते हैं। आतंकवाद के खतरे पर प्रकाश डालते हुए, अमेरिका ने अपने नागरिकों से पर्यटक स्थलों, परिवहन केंद्रों, बाजारों/शॉपिंग मॉल और सरकारी सुविधाओं से बचने का आग्रह किया है, क्योंकि ये आतंकवादी हमलों के लिए संवेदनशील माने जाते हैं। जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के लिए विशेष चेतावनी जारी की गई है, जहाँ आतंकवाद और नागरिक अशांति के कारण यात्रा न करने की सलाह दी गई है (पूर्वी लद्दाख क्षेत्र और लेह को छोड़कर)।

## खैबर पख्तूनख्वा में नौका डूबी, सात पर्यटकों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक नौका के डूब जाने से उसमें सवार सात पर्यटकों की मौत हो गई। बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्वात जिले के कलाम के शाही बाग इलाके में 10 पर्यटकों को ले जा रही नौका के पलट जाने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि स्थानीय लोगों ने तीन अन्य को बचा लिया। बचाव अधिकारियों के अनुसार, चार पर्यटकों के शव बरामद कर लिए गए हैं। स्थानीय अधिकारियों और बचाव दलों को तैनात कर दिया गया है, लेकिन भूभाग की जटिल संरचना और सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थित होने के कारण बचाव प्रयासों में बाधा आ रही है।

## दंपती को 18 करोड़ का मुआवजा दे डॉक्टर : यूएस कोर्ट

अटलांटा। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में एक अदालत की जूरी ने एक जोड़े को 22.5 लाख डॉलर (करीब 18 करोड़ रुपये) का मुआवजा देने का फैसला सुनाया है। इस जोड़े ने एक पैथोलॉजिस्ट पर आरोप लगाया था कि उसने

सिर धड़ से अलग हो गया था। माता-पिता ने अलग से उस डॉक्टर और अस्पताल पर भी मामला दर्ज किया है, जहाँ बच्चे का जन्म हुआ था। वह मामला अभी अदालत में लंबित है। सितंबर 2023 में दर्ज एक मुकदमे में इस जोड़े



उनके गला कटे नवजात की ऑटोप्सी (मृत्यु के बाद जांच) के खौफनाक वीडियो बिना अनुमति के सोशल मीडिया पर अपलोड किए। जूरी का फैसला डॉक्टर जैक्सन गेट्स के खिलाफ आया। माता-पिता जैसिका रॉस और ट्रेवॉन टेलर सीनियर ने जुलाई 2023 में जन्म के दौरान मारे गए अपने बेटे ट्रेवॉन टेलर जूनियर की ऑटोप्सी कराने के लिए गेट्स को नियुक्त किया था। बच्चे की डिलीवरी के दौरान उसका

उद्देश्य और पारदर्शिता के लिए पोस्ट करते थे-खासतौर पर तब जब लोगों को लगता है कि अस्पताल ने लापरवाही की है। चूकि गेट्स ने शुरूआती समय में अदालत में जवाब नहीं दिया, इसलिए अदालत ने उनके खिलाफ गलत फैसला सुनाया। इसमें उन्हें मानसिक पीड़ा पहुंचाने, निजता का उल्लंघन और धोखाधड़ी का दोषी पाया गया।

## मानसून में स्मार्ट और स्टाइलिश फैशन!

मानसून के मौसम में स्टाइल और कंफर्ट का तालमेल जरूरी हो जाता है। एण्डटीवी के लोकप्रिय शो हूपू की उलटन पलटन में मलाइका का किरदार अदा कर रही सोनल पंवार ने कहा, 'मेरे लिये मानसून फैशन का मतलब है स्मार्ट और स्टाइलिश दोनों होना। मैं आमतौर पर एंकरल-लेंथ ड्रेसिंग या घुटनों तक की कुर्तियां पहनना पसंद करती हूँ, ताकि बाहर निकलते समय कपड़े कीचड़ से बच सकें। इस मौसम में मलमल और रेयॉन जैसे फैब्रिक बेहतरीन रहते हैं। मैं नेवी ब्लू, एमराल्ड ग्रीन और मैरून जैसे डार्क कलर्स पसंद करती हूँ क्योंकि ये बारिश के मौसम में ज्यादा उपयुक्त होते हैं और इन पर पानी के दाग भी नहीं दिखते। डेनिम तो मैं पूरी तरह से अवंडिड करती हूँ और उसकी जगह ढीली पैटर्स या लेगिंग्स पहनती हूँ। फुटवियर की बात करें तो मुझे स्टाइलिश रबर सैंडल या क्रॉक्स बहुत पसंद हैं, क्योंकि ये फैशनेबल भी होते हैं और आरामदायक भी। एक रंग-बिरंगी प्रिंट वाली छोटी छतरी और वॉटरप्रूफ स्लिंग बैग मेरे मानसून लुक को पूरा करते हैं।' इसी तरह 'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी उर्फ शुभांगी अत्रे ने अपने मानसून स्टाइल टिप्स शेयर करते हुए बताया, 'मानसून में मुझे जॉर्जेट या सिंथेटिक ब्लेंड की हल्की साड़ियां पहनना

बहुत पसंद है। ब्लॉउज के लिए मैं एल्बो-लेंथ या स्लीवलेस स्टाइल को प्राथमिकता देती हूँ, जो जल्दी सूखने वाले फैब्रिक से बने हों। जैक साड़ी नहीं पहनती, तो मैं ए-लाइन कुर्ती और प्रिंटेड पलाजो का कॉम्बिनेशन चुनती हूँ। कोरल, मस्टर्ड और टर्काईज जैसे ब्राइट कलर मानसून के मौसम में मूड को तुरंत प्रेशा कर देते हैं। ऐक्ससेसरीज की बात करें तो मैं सिंपल चीजें रखती हूँ जैसे प्लास्टिक या रजिन की चूड़ियां, वॉटरप्रूफ बैग और क्यूट रेन-फ्रेंडली जेली शूज। एक फ्लोरल-सैंटेड बॉडी मिस्ट और माइक्रोफाइबर टॉवल भी इस सीजन में मेरी जरूरत की चीजें हैं।'



## नौशीन अली ने झूमकर किया घूमर नृत्य

लोकप्रिय शो 'वसुधा' के आने वाले सीक्वेंस में देवांश और मेघा की सगाई का जश्न मनाया जाएगा, जहां माहौल पूरे उत्साह, संगीत और परंपराओं से सजा होगा। लेकिन सगाई के इस जश्न में एक पल ऐसा होगा जो सबका दिल जीत लेगा - शो में चंद्रिका का किरदार निभा रही नौशीन अली सरदार का बेहद खूबसूरत घूमर परफॉर्म। राजस्थान की परंपरा से जुड़ा घूमर महिलाओं द्वारा किए जाने वाला एक पारंपरिक लोकनृत्य है, जो नई शुरुआत के मौके पर किया जाता है। और नौशीन ने इसे पूरे सम्मान और सच्चाई के साथ पेश किया। दमदार घूमर, भावों से भरी हाथों की मुद्राएं और उनकी करिश्माई मौजूदगी, ये सबकुछ मिलकर इस परंपरा की खूबसूरती को जिंदा कर रहे थे। इस सीन के लिए नौशीन ने चार दिन तक जमकर रिहर्सल की, प्रोफेशनल कोरियोग्राफर से ट्रेनिंग ली और घूमर की हर बारीकी को समझने में पूरा ध्यान दिया, चाहे वो कदमों की रफ्तार हो या भावों की गहराई। नौशीन अली सरदार ने कहा, 'शूटिंग के दिन मैंने कई रिटेक्स में पूरे 22 घूमर किए ताकि इस सीन को अलग-अलग एंगल्स से शूट किया जा सके। यह परफॉर्मंस शारीरिक रूप



से काफी चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन उस वक का जोश और जज्बात मुझे लगातार आगे बढ़ाते रहे। मैं चाहती थी कि सिर्फ अंग में ही नहीं, बल्कि मेरे जोश में भी वो गहराई नजर आए।' मालूम हो कि जी टीवी पर 'वसुधा' रोज रात सवा दस बजे जी टीवी पर प्रसारित है।

## बाजार दर्पण

**मिशिका सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल**  
Cares For Your Health & Wealth...  
आपका विश्वास हमारा प्रयास  
वि-केयर इंडिया हेल्थ कार्ड  
बनवाएं और लाभ उठाएं  
एक छत के नीचे सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं।  
24x7 EMERGENCY  
आपातकालीन सेवा में आपका भरोसा हम साथी  
अधिक जानकारी के लिए हॉस्पिटल रिसेप्शन पर सम्पर्क करें  
9792934124, 7275534124  
पता: 301 डी, निगर सेंट जोसेफ स्कूल, जे.के. चौराहा, लखनऊ रोड कानपुर

विश्वास नेत्र एवं लेजर सेंटर  
डॉ. विश्वास वर्मा नेत्र सर्जन मेडिकलेम सुविधा उपलब्ध  
विराम खण्ड, राम भवन के सामने गोमती नगर लखनऊ  
मोबाइल: 9415016089